सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 88 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 2 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किंग्स की फिरकी में फंसे चेन्नई के सुपर... 7 | यूपी में विपक्ष ने फिर कड़े किए... 3 | कोविशील्ड की अनुमति देकर खतरे... 2

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

विपक्ष के निशाने पर फिर आया चुनाव आयोग

कांग्रेस समेत कई दलों ने कहा- बीजेपी को लाभ पहुंचाने की हो रही कोशिश

11 दिन बाद वोटिंग का डेटा आने पर उठाया सवाल

» सिब्बल, दिग्विजय व फारूख ने ईवीएम पर भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो चरणों के वोटिंग के बाद सियासी दल फिर आक्रामक मोड में आ गए हैं। जहां विपक्ष के निशाने पर बीजेपी व मोदी सरकार तो है ही अब चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सभी दलों ने सवालिया निशान लगाया है। जहां दो चरणों में चुनाव अयोग द्वारा हुए वोटिंग के आंकड़े 11 दिन बाद जारी करने पर बवाल मच गया है। कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने आरोप लगाया है इतने दिनों बाद आंकड़े जारी करने के पीछे कोई न कोई साजिश है।

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर मतदान 25 मई तक स्थगित करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को जमकर घेरा। उधर

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भी आयोग पर हमला बोला है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 11 दिन के बाद आयोग की वेबसाइट पर वोट का डेटा आ रहा है। ऐसे में मेरा सवाल है कि 11 दिन बाद डेटा क्यों आया? आज के दिन किसी भी संस्था पर जनता को भरोसा नहीं है। दरअसल, लोकसभा चुनाव को लेकर होने वाले सात चरण में से दो चरण हो चुके हैं। पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को तो दूसरी चरण के लिए मतदान 26 अप्रैल को हुआ था। वहीं अभी पांच चरण वोटिंग होनी है। रिजल्ट चार जून को आएगा।

मोदी सरकार 'अंधाधुंध' निजीकरण करके आरक्षण 'छीन' रही है : राहुल

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आरक्षण समाप्त करने का नरेन्द्र मोदी के अभियान का मंत्र है-'न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी' मतलब न तो सरकारी नौकरियां रहेंगी और न ही आरक्षण देना पड़ेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केन्द्र की मोदी सरकार पर "अंधाधुंध" तरीके से निजीकरण लागू करके दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से "गुपचुप तरीके से" आरक्षण छीनने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को मजबूत करने और रोजगार के दरवाजे खोलने की गारंटी देती है। भाजपा सरकार निजीकरण से सरकारी नौकरियों को खत्म कर चुपके-चुपके दलितों, आदिवासियों और पिछड़ा वर्ग से आरक्षण छीन रही है।" उन्होंने कहा कि 2013 में सार्वजनिक क्षेत्रों में 14 लाख स्थायी पद थे जो 2023 तक आते आते सिर्फ 8.4 लाख ही बचे है। कांग्रेस नेता ने कहा, " बीएसएनएल, सेल, भेल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के शीर्ष उपक्रमों को बरबाद करके सार्वजनिक क्षेत्र से कम से कम छह लाख स्थाई नौकरियां छीन ली गईं। ये ही वे पद हैं जिनमें आरक्षण का लाभ दिया जा सकता था।उन्होंने दावा किया कि रेलवे जैसे संस्थानों में सरकारी काम ठेके पर देकर पिछले दरवाजे से जो नौकरियां खत्म की जा रही हैं उनकी कोई गिनती नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, "मोदी मॉडल का 'निजीकरण' देश के संसाधनों की लूट है, जिसके जरिए वंचितों का आरक्षण छीना जा रहा है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस की यह गारंटी है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को मजबूत करेगी और 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भरकर समाज के हर वर्ग के लिए रोजगार के द्वार खोलेगी।

दिग्विजय सिंह ने मप्र में ईवीएम पर खड़े किए सवाल

दिग्विजय सिंह ने कहा मध्यप्रदेश में भी ईवीएम पर सवाल उठा रहे लोग। उन्होंने कहा कि यहां भी जोर ईवीएम पर है, कुछ दिनों पहले भोपाल में अपने आवास पर एक मॉक पोल के जरिये दिग्विजय ने ईवीएम में हेरफेर के अपने आरोपों का समर्थन करने के लिए गुजरात के कुछ विशेषज्ञों को भी बुलाया था। हालांकि, बीजेपी का कहना है कि दिग्विजय सिंह को कोई गंभीरता से नहीं लेता।

आयोग पर भरोसा पर बताए क्यों लगा इतना समय : सिब्बल

कपिल सिब्बल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का ईवीएम पर निर्णय आया है, कोर्ट ने कहा कि लोगों को चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। पहले चरण की वोटिंग के बाद इसका डेटा 11 दिन बाद आया। इसमें बताया गया कि कितने प्रतिशत वोट पड़े, लेकिन कितने वोट डाले गए ये नहीं बताया गया। इसका कारण मैं नहीं जानता। हम चुनाव आयोग पर विश्वास रखेंगे, लेकिन आयोग को बताना चाहिए है कि 11 दिन डेटा जारी करने में क्यों लगे? संदेह पैदा होने पर लोगों का विश्वास भी कम होता है।

केंद्र के नियंत्रण में नहीं है सीबीआई : सरकार

» पश्चिम बंगाल मामले में सुप्रीम कोर्ट में दी दलील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआई पर केंद्र का नियंत्रण नहीं है। दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि सीबीआई ने कई मामलों में जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी नहीं ली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है।

जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद भी संघीय एजेंसी एफआईआर दर्ज कर राज्य के मामलों की जांच कर रही है। संविधान का अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्यों के अधिकारक्षेत्र से संबंधित है। केंद्र सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि संविधान का अनुच्छेद 131 संविधान के सबसे पवित्र क्षेत्राधिकार में से एक है और इसके प्रावधानों का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार के मुकदमे में जिस मामले के बारे में बताया गया है, वह भारत सरकार ने दायर नहीं किया है। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने मामला दर्ज नहीं किया था बल्कि सीबीआई ने किया था और सीबीआई, भारत सरकार के नियंत्रण में नहीं है।

दिल्ली महिला आयोग के 223 कर्मचारी हटाए गए, आप और बीजेपी आमने-सामने

» एलजी ने दिया आदेश मालीवाल पर नियमों को तोड़कर नियुक्ति करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग के 233 कर्मचारियों को वहां के राज्यपाल ने हटा दिया है। इसको लेकर आप ने बीजेपी सरकार व एलजी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दरअसल, दिल्ली महिला आयोग के कर्मचारियों पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बड़ी कार्रवाई की है।

वहीं स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा, एलजी साहब ने डीसीडब्ल्यू के सारे कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ को हटाने का एक तुगलकी फरमान जारी किया है। आज महिला आयोग में कुल 90 स्टाफ है जिसमें सिर्फ आठ लोग सरकार द्वारा दिये गये हैं, बाकी सब तीन-तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर हैं। अगर सब कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ हटा दिया जाएगा, तो महिला आयोग पर ताला लग जाएगा। ऐसा क्यों कर रहे हैं ये लोग? खून पसीने से बनी है ये संस्था। उसको स्टाफ और सरंक्षण देने की जगह आप जड़ से खत्म कर रहे हो? मेरे जीते जी मैं महिला आयोग बंद नहीं होने दूंगी। मुझे जेल में डाल दो, महिलाओं पर मत जुल्म करो! उपराज्यपाल के आदेश में डीसीडब्ल्यू एक्ट का हवाला दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि आयोग में सिर्फ 40 पद ही स्वीकृत हैं। डीसीडब्ल्यू के पास ठेके पर कर्मचारी रखने का अधिकार नहीं है।

जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे सिसोदिया, कल होगी सुनवाई

आबकारी नीति घोटाला से जुड़े सीबीआई व ईडी मामले में जमानत देने से इन्कार करने के निचली अदालत के निर्णय को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मामले का उल्लेख किया गया और अदालत ने इसे शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। 30 अप्रैल को निचली अदालत ने सिसोदिया की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने यह कहते हुए सिसोदिया को राहत देने से इन्कार कर दिया था कि सिसोदिया समेत अन्य सह-अभियुक्तों द्वारा मामले की सुनवाई में देरी करने का पुरजोर प्रयास किया जा रहा है। अदालत ने कहा था कि सिसोदिया समेत अन्य आरोपित कई आवेदन दायर कर रहे हैं या मौखिक दलीलें दे रहे हैं।

कोविशील्ड की अनुमति देकर खतरे में डाली लोगों की जान : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष की मांग वैक्सीन मामले की हो न्यायिक जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लंदन में कोरोना वैक्सिन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट से होने वाले खतरे के खुलासे बाद बीजेपी व मोदी सरकार पर सपा व कांग्रेस ने हमला बोला है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इन दवाईयों को अनुमति से लोगों की जान खतरे में डालने का षडयंत्र किया गया। फिर उन्हीं कंपनियों से भाजपा ने चंदा ले लिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है एक व्यक्ति को दो वैक्सीन के हिसाब से लगभग 80 करोड़ भारतीयों को कोविशील्ड वैक्सीन दी गई हैं।

उसका मूल फॉर्मूला बनाने वाली कंपनी ने कहा है कि इससे हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है। जिन लोगों ने वैक्सीन के साइड इफेक्ट के कारण अपनों को खोया है या जिन्हें वैक्सीन के दुष्परिणामों की आशंका थी, अब उनका शक सही साबित हुआ है। अखिलेश ने कहा कि ऐसी जानलेवा दवाइयों को अनुमति देना किसी की हत्या के षड्यंत्र के बराबर है और इसके लिए जिम्मेदार सभी पर आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए। सत्ताधारी दल ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से राजनीतिक चंदा वसूलकर जनता की जान की बाजी लगाई है। इस मामले में सर्वोच्च स्तर पर न्यायिक जांच हो।

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम फतेहपुर से लड़ेंगे चुनाव

समाजवादी पार्टी ने फतेहपुर लोकसभा सीट से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को उम्मीदवार बनाया है। वह कल नामांकन करेंगे। फतेहपुर सीट पर नामांकन 26 अप्रैल को शुरू हो गए थे। नामांकन की अंतिम तारीख 3 मई है। इस सीट पर पांचवे चरण में 20 मई को मतदान होगा। पांचवे चरण में मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा में मतदान होगा।

बसपा ने की छह और उम्मीदवारों की घोषणा

» कैसरगंज सीट से ब्राह्मण प्रत्याशी उतारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इसमें छह प्रत्याशियों के नाम है। कैसरगंज सीट पर बसपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला है। साथ ही आजमगढ़ सीट पर बसपा ने अपना उम्मीदवार बदल दिया है। गुरुवार को जारी लिस्ट में बसपा की इस लिस्ट में कैसरगंज, डुमरियागंज, गोंडा, संत कबीरनगर, बाराबंकी और आजमगढ़ सीट से प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं।

लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवार के नाम का एलान किया है। बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में है। बसपा ने कैसरगंज सीट पर ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए नरेंद्र पाण्डेय को उतारा है। आजमगढ़ में प्रत्याशी बदलकर मशहूद अहमद को उम्मीदवार घोषित किया है। गोंडा से सौरभ कुमार मिश्रा, डुमरियागंज से मोहम्मद नदीम मिर्जा, संतकबीर नगर से नदीम अशरफ और बाराबंकी से शिव कुमार दोहरे को मैदान में उतारा है। गौरतलब है कि बसपा ने आजमगढ़ सीट से तीसरी बार प्रत्याशी बदला है, सबसे पहले इस से सीट पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को मैदान में उतारा गया था, लेकिन बाद में उन्हें सलेमपुर सीट से टिकट दिया गया। इसके बाद बसपा ने आजमगढ़ सीट से शबीहा अंसारी को टिकट दिया था। अब उनकी जगह उनके पति मशहूद अहमद को बसपा ने टिकट दिया है।

मोदी सरकार की तानाशाही से देश को मुक्ति दिलाना लक्ष्य : संदीप

» आप और कांग्रेस के बीच साझा चुनाव प्रचार पर की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल देश के प्रजातंत्र को बचाना है। मोदी सरकार की तानाशाही से देश को मुक्ति दिलाना है। केंद्र सरकार एक-एक करके सरकारी संस्थाओं को खत्म कर रही है। सारी एजेंसियां केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रही हैं। देश को मोदी सरकार की तानाशाही से बचाने के लिए हमें एक दूसरे का सहयोग करने की जरूरत है। इसीलिए दोनों पार्टियां तैयार हैं और एकजुट हैं।

वहीं लोकसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक में दोनों पार्टियों के बीच आगे की चुनाव प्रचार की रणनीति को लेकर चर्चा हुई। को-ऑर्डिनेशन कमेटी की इस बैठक में आम आदमी पार्टी की तरफ से राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक, एमसीडी प्रभारी एवं विधायक दुर्गेश पाठक और प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक राजेश गुप्ता शामिल हुए।

चुनावी चंदे के लिए लोगों की जिंदगी से किया खिलवाड़ : राजीव शुक्ला

कहा- स्वास्थ्य मंत्रालय इस मामले पर दे स्पष्टीकरण

» बोले- बीजेपी ने 150 टिकट कांग्रेस से आए नेताओं और सेवानिवृत्त अधिकारियों को दिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव शुक्ला ने कहा कि कोविड वैक्सीन का मामला बहुत गंभीर है। चुनावी चंदे के लिए लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया है। यूके की अदालत में कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली कंपनी ने यह स्वीकार किया है कि वैक्सीन लगने की वजह से खून के थक्के जम रहे हैं। इससे हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मामले पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चुनावी चंदा देश का सबसे बड़ा घोटाला है। यह चुनाव सत्ता परिवर्तन का चुनाव है। पहले दो चरणों की रिपोर्ट में इंडिया गठबंधन बहुत आगे है। मोदी की गारंटी की बात भी खत्म हो गई है। वह फिर अपनी पुरानी बात हिंदू-मुसलमान पर आ गए हैं। भाजपा कहती है कि इस देश में जो हुआ 2014 के बाद ही हुआ। भाजपा नेतृत्व अटल जी को भी भूल गया है। और आयातित नेताओं को टिकट दे रही है। राजीव ने कहा कि भाजपा ने पूरे देश में 150 टिकट कांग्रेस से आए नेताओं और सेवानिवृत्त अधिकारियों को दिए हैं। इसलिए न चुनाव में भाजपा का नेता निकल रहा है न ही उनका वोटर। उत्तर प्रदेश में भी चौंकाने वाले परिणाम होंगे।

कांग्रेस राम मंदिर के नहीं पूजा के प्रचार के खिलाफ

एक सवाल के जवाब में राजीव शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर के नहीं पूजा के प्रचार के खिलाफ है। राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को भाजपा का कार्यक्रम बना दिया गया। जबकि मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से और जनता के पैसे से बना है। बाद में हमारी पार्टी के कई नेता अयोध्या गए हैं।

देश में चल रही मनमानी, सब एकजुट होकर लड़ें : कन्हैया

» कांग्रेस प्रत्याशी ने की सुनीता केजरीवाल से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से आम आदमी पार्टी के साथ हुए समझौते के खिलाफ मुहिम शुरू करने की चर्चाओं के बीच उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। उधर, मुलाकात के बाद कन्हैया कुमार ने कहा कि उनके बीच आत्मीय मुलाकात हुई है। दरअसल देश में मनमानी चल रही है।

किसी को भी बिना वजह पकड़कर जेल में बंद किया जा रहा है। इसके खिलाफ हम पिछले कई सालों से लड़ रहे हैं और इस लड़ाई में हम सब एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली के लोगों को अपमानित कर रही है। जनता ने चुने हुए मुख्यमंत्री को साजिशन जेल में डाल दिया गया है। दिल्ली की जनता इसका जवाब देगी। बताते चलें कि कन्हैया कुमार कई बार अरविंद केजरीवाल की तारीफ कर चुके हैं। इसको लेकर अरविंदर सिंह लवली ने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देने के दौरान कन्हैया कुमार की आलोचना की थी। उधर केजरीवाल भी कन्हैया कुमार की तारीफ कर चुके हैं।

अगर आप मे किसी को भी पार्टी छोड़ने की इच्छा हो तो एक बार जांच एजेंसी से बात कर लें.....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में विपक्ष ने फिर कड़े किए तेवर

बीजेपी पर आक्रामक हुई कांग्रेस-सपा, बसपा ने भी खोला मोर्चा, इंडिया गठबंधन बाकी के चरणों में पहुंचेगी जन-जन तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में दो चरणों के मतदान के बाद विपक्ष में ऊर्जा आ गई है। दरअसल विपक्ष का मानना है कि यूपी में जो कम वोटिंग प्रतिशत का आंकड़ा आया है उससे ऐसा लगता है कि सत्ता में बैठी बीजेपी से लोगों का मोह भंग हो गया है और वह वोट नही देने जा रहे हैं जबकि विपक्ष के मतदाता उत्साह में हैं और इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पोलिंग बूथ पर उमड़ रहे हैं। इसी के मद्दे नजर इंडिया गठबंधन के सहयेगी कांग्रेस व सपा अब आक्रमाक रूप से बीजेपी व पीएम मोदी के खिलाफ पूरी तरह हमलावर हो गई है वहीं बीएसपी ने बीजेपी के साथ कांग्रेस व सपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

कांग्रेस पार्टी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपना घोषणा पत्र पहुंचाने में जुटी हुई है साथ ही इसके माध्यम से भाजपा के दावों का जवाब देने की भी तैयारी कर रही है। मुस्लिम लीग की छाप, मंगलसूत्र ले लेने और शरिया कानून आदि आरोपों के बीच इन दिनों कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर चर्चा काफी तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य भाजपा नेता इसे लेकर कांग्रेस पर लगातार हमले कर रहे हैं। जबकि कांग्रेसी इसे रणनीतिक सफलता मान रहे हैं। इसी के साथ अब पार्टी प्रदेश में अगले चरणों में अपने घोषणा पत्र व गारंटी कार्ड को और जोर-शोर से अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने में जुट गई है। पिछले दिनों राजस्थान की चुनावी सभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि कांग्रेस आम लोगों की संपत्ति और महिलाओं का मंगलसूत्र बेच देगी। इसके बाद कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सवाल-जवाब तेज हो गए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी भाजपा के आरोपों के जवाब देने और अपने घोषणा पत्र की खूबियां गिनाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। यूपी में तो कांग्रेस पहले से ही अपने घोषणा पत्र को चुनावी हथियार बनाकर काम कर रही है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि भाजपा हमारी पिच पर आकर खेल रही है। पार्टी इसे और आगे बढ़ाने का काम करेगी। भाजपा भले ही हमारे घोषणा पत्र पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही हो लेकिन इससे घोषणा पत्र पर चर्चा तेज हुई है। आम लोग घोषणा पत्र को पढ़ और समझ भी रहे हैं। प्रदेश में आगे के चरणों में हम इसे हर बूथ तक पहुंचाएंगे।

बीएलए व बूथ कमेटियों पर फोकस

पार्टी ने इस चुनाव में बदली हुई रणनीति के तहत सर्वाधिक फोकस बीएलए व बूथ कमेटियों के गठन पर दिया था। पहले दो चरणों में इनके माध्यम से पार्टी अपनी नीतियों को पहुंचाने व चुनाव प्रबंधन में सफल रही है। इसे देखते हुए एक मई को पार्टी ने सभी जिलों में तैनात अपने बीएलए, बूथ कमेटियों, न्याय पंचायत, ब्लॉक कमेटियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इस दौरान उन्हें घोषणा पत्र की जानकारी देने, न्याय पत्र वितरण और ईवीएम के बारे में ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

कांग्रेस व सपा झोकेंगे ताकत

पश्चिम के बाद अब राहुल गांधी व अखिलेश यादव पूर्व में इंडिया गठबंधन के लिए माहौल बनाएंगे। इसके लिए वे समन्वय समिति की बैठकों में तेजी लाएंगे। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। कांग्रेस को 17 लोकसभा सीटें मिली हैं। चुनाव के दौरान सपा और कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के बीच समन्वय का अभाव दिखा। इसके कारण समन्वय समिति की बैठकें शुरू की गईं। इनमें कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महासचिव संगठन अनिल यादव भी मौजूद रहे। जिलेवार चली इन बैठकों का पहले व दूसरे चरण के चुनाव में असर भी दिखा। जिन लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार होने की वजह से सपा नेताओं में उदासीनता थी, वे भी समन्वय समिति की बैठक के बाद सक्रिय हुए। ऐसे में अब पूरब में समन्वय समिति की बैठकें शुरू की जाएंगी। इसके तहत तीन मई को सुल्तानपुर, अमेठी, प्रतापगढ़, कौशांबी और प्रयागराज लोकसभा क्षेत्र में बैठक होगी। चार मई को फूलपुर, मिर्जापुर, भदोही, मछलीशहर और जौनपुर, पांच मई को गाजीपुर, चंदौली, राबर्ट्सगंज और वाराणसी में समन्वय समिति की बैठक में चुनाव की रणनीति बनाई जाएगी।

बसपा ने अमेठी में बदली रणनीति

बसपा ने यूपी के लिए तीन नए प्रत्याशियों की घोषणा की है। इस नई लिस्ट में पार्टी ने अमेठी, प्रतापगढ़ और झांसी में उम्मीदवार घोषित किए हैं। अमेठी में नन्हें सिंह चौहान, प्रतापगढ़ में प्रथमेश मिश्रा और झांसी में रवि प्रकाश कुशवाहा पार्टी के प्रत्याशी होंगे। पार्टी ने अमेठी से उम्मीदवार बदल दिया है। एक दिन पहले रविवार को ही अमेठी सीट पर रवि प्रकाश मौर्या को प्रत्याशी बनाया गया था। वह अयोध्या से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनकी जगह पर अब नन्हें सिंह चौहान पार्टी के प्रत्याशी होंगे। अमेठी के सियासी रण में सोमवार को एक और बदलाव दिखा। दोपहर में बसपा के पहले घोषित प्रत्याशी रवि प्रकाश मौर्य ने नामांकन पत्र लिया था। वह पर्चा दाखिल करते इससे पहले ही देर शाम को जारी बसपा की सूची में दावेदार ही बदल गया। अब पार्टी ने सुल्तानपुर निवासी व्यवसायी नन्हे सिंह चौहान को दावेदार बनाया है। ताज्जुब की बात तो यह है कि अमेठी के नये दावेदार की प्रोफाइल के बारे में खुद बसपा जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार तक को पता नहीं है। प्रत्याशी के बारे में पूछने पर वह कहते हैं कि जिस तरह से आपको जानकारी मिली है, उसी तरह से हमें भी पता चला है।

अमेठी का सियासी रण दिलचस्प होता जा रहा है। बसपा ने अमेठी में पहला चुनाव 1989 में लड़ा था। उस वक्त राजीव गांधी के खिलाफ बसपा संस्थापक काशीराम चुनाव मैदान में उतरे थे। इसके बाद बसपा ने कई चुनाव लड़ा लेकिन, वह एक लाख वोट तक नहीं पा सकी। इस दौरान बसपा ने कई बदलाव किए लेकिन, बसपा का हाथी दिल्ली तक नहीं पहुंच सका। रविवार की शाम को बसपा ने अयोध्या के रवि प्रकाश मौर्य को उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने नामांकन के लिए चार सेट में पर्चे भी ले लिए थे लेकिन, सोमवार की शाम को एकाएक दावेदार ही बदल दिए। ऐसे में नये दावेदार को लेकर खुद बसपा पदाधिकारी भी हतप्रभ है।

अब राजनीति का अर्थशास्त्र सीखेंगे चौहान

सुल्तानपुर जिले के लम्भुआ थाने के अर्जुनपुर गांव निवासी नन्हे सिंह चौहान अर्थशास्त्र से स्नातक पास है। वह गांव के तीन बार प्रधान रहे हैं। बसपा में करीब आठ साल से मिशन से जुड़े रहे हैं। नन्हे सिंह चौहान खुद बिल्डिंग मैटेरियल का कारोबार करते हैं। उनके दो भाई चंडीगढ़ में बिल्डर है। संसदीय चुनाव जैसा बड़ा चुनाव वह पहली बार लड़ रहे हैं। पहली मई को नामांकन करने की तैयारी में है।

बीजेपी भारत का ही नहीं दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार : सपा

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बड़ा वार करते हुए इसे 'दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार' करार दिया। अखिलेश ने साफ तौर पर कहा कि आरक्षण खत्म करने का मंसूबा रखने वाला यह परिवार अब चुनाव में वोट के लिये आरक्षण नहीं समाप्त करने की बात कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बीजेपी भारत का ही नहीं दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार है, इनके साथ एक सबसे खतरनाक परिवार है जो आरक्षण खत्म करना चाहता था, अब वोट चाहिए तो कह रहे आरक्षण खत्म नहीं होगा। मैं पूछना चाहता हूं अगर सरकार की बड़ी कंपनियां बिक जाएंगी तो क्या उनमें आरक्षण होगा? सपा नेता ने कहा कि इस बार हम लोगों ने तय कर लिया है कि भाजपा वालों की बैंड बाजे से विदाई करेंगे। ये 14 में आए थे 24 में चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि यही संविधान है जो हमें हक, अधिकार दिलाता है। संविधान ही हमारी संजीवनी है।

संविधान बचाने के लिए एक एक वोट समाजवादी पार्टी के पक्ष में डालने का काम करना। अपना वार करते हुए उन्होंने कहा कि आज रेजांगला का मेमोरियल तोड़ दिया गया है, चीन ने आपकी जमीन कब्जा कर ली है, चीन आपके शहरों के, गांवो के नाम बदल रहा है और जनता को आप क्या दिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि मैं पीडीए के लोगों से कहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी को हटाओ, क्योंकि पीडीए परिवार जीतेगा, और पीडीए ही संविधान बचाएगा, संविधान बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा। सपा मुखिया ने कहा कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक 'बड़ी साजिश' के तहत हर क्षेत्र को निजी हाथों में बेचकर आरक्षण को खत्म करना चाहती है मगर समाजवादी लोग उसे कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने संघ परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए किसी का नाम लिये बगैर कहा, "इन्हें (भाजपा को) हमारे-आपके परिवार की तो चिंता है लेकिन उनके साथ दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार है जो आरक्षण खत्म करना चाहता था। अब वोट चाहिए, तो कह रहे हैं कि आरक्षण खत्म नहीं होगा।

जनता को सजग होकर कराना होगा वोट : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना को छलावा बताते हुए कहा कि जनता इससे प्रभावित न हो क्योंकि यह अनाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जेब से नहीं बल्कि खुद गरीब जनता की गाढ़ी कमाई से दिया जा रहा है। मायावती ने यहां एक चुनावी जनसभा में जनता को विरोधी पार्टियों के खोखले वादों से आगाह करते हुए भाजपा पर कांग्रेस की ही तरह जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। बसपा प्रमुख ने केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वे (भाजपा नेता) लोगों से कहते हैं कि भाजपा और मोदी ने उन्हें मुफ्त राशन दिया है और उन्हें भाजपा को वोट देकर यह कर्ज चुकाना चाहिए, मगर लोगों को इससे गुमराह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो मुफ्त राशन दिया जा रहा है वह मोदी जी या भाजपा की जेब से नहीं आ रहा है, बल्कि यह कर के रूप में दिये गये आपके ही पैसे से दिया जा रहा है। मायावती ने कहा कि लोगों को यह सोचने की ज़रूरत नहीं है कि यह कोई कर्ज है जिसे चुकाना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि गरीब लोगों की जटिल समस्या केवल हर हाथ को काम देने से ही खत्म होगी। अगर सरकार बनाने का मौका मिला तो उनकी पार्टी इस पर ध्यान देगी। बसपा अध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ज्यादातर देखा गया है कि जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां सपा अपने परिवार के किसी व्यक्ति को टिकट देती है और जहां हिंदू संख्या में अधिक हैं, वहां मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा करती है। यह समाजवादी पार्टी का चरित्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी वाले बदायूं के मामले में सपा ने अपने परिवार के ही सदस्य (आदित्य यादव) को उम्मीदवार

टिकट आवंटन को लेकर कोई भेदभाव नहीं

मायावती ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी पार्टी बसपा में टिकट आवंटन को लेकर कोई भेदभाव नहीं है और सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है। अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमला बोलते हुए बसपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में मुसलमानों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की तरक्की रुक गई है और हिंदुत्व की आड़ में अत्याचार और उत्पीड़न चरम पर है। मतदाताओं से कांग्रेस, भाजपा और उनके समर्थक दलों को सत्ता में आने से रोकने का आह्वान करते हुए बसपा अध्यक्ष ने आगाह किया कि ये दल सत्ता में आने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे मगर उन्हें रोकने के लिये उनकी पार्टी के लोगों को रहना होगा। रैली के दौरान मायावती ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों बदायूं से मुस्लिम खान, आंवला से आबिद अली और संभल से सौलत अली के लिए समर्थन मांगा और जनता से उन्हें विजयी बनाने की अपील की। इन तीनों सीट पर लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कौन होगा जानलेवा साइड इफेक्ट का जिम्मेदार!

एक ऐसी खबर ब्रिटेन से आ रही है जिससे भारत में दिल की धड़कनें बढ़ सकती हैं। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन की अदालत में पहली बार माना है कि कोविड-19 की उसकी वैक्सीन से टीटीएस जैसे दुर्लभ साइड इफेक्ट हो सकते हैं। टीटीएस यानी थ्रोम्बोसइटोपेनिया सिंड्रोम शरीर में खून के थक्के जमने की वजह बनती है। इससे पीड़ित व्यक्ति को स्ट्रोक, हृदयगति थमने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। यह खबर भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां कोविड-19 के प्रसार के दौरान बड़े पैमाने पर ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रोजेनेका की इसी वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से इस्तेमाल किया गया था। अब सवाल ये उठता है कि अगर भारत में इसकी वजह से कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। हालांकि, वैक्सीन से होने वाले साइड इफेक्ट्स को स्वीकार करने के बाद भी कंपनी इससे होने वाली बीमारियों या बुरे प्रभावों के दावों का विरोध कर रही है। हालांकि इस खबर के बाद भारत की सरकार को इस बात को संज्ञान में लेकर अपनी नागरिकों के स्वास्थ्य को किसी भी प्रकार के खतरे से बचाने की योजना बनानी चाहिए। गौरतलब हो कि भारतीय कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने एस्ट्राजेनेका से हासिल लाइसेंस के तहत देश में इस वैक्सीन का उत्पादन किया था और इसे सिर्फ भारत के कोविड टीकाकरण अभियान में ही नहीं इस्तेमाल किया गया था, बल्कि दुनिया के कई देशों को निर्यात किया गया। कोविशील्ड के अलावा इस वैक्सीन को कई देशों में वैक्सजेवरिया ब्रांड नाम से भी बेचा गया था। एस्ट्राजेनेका पर यह मुकदमा जेमी स्कॉट ने दायर किया है, जो इस टीके को लेने के बाद ब्रेन डैमेज के शिकार हुए थे। कई परिवारों ने भी कोर्ट में इस टीके के दुष्प्रभावों की शिकायत की थी। कोर्ट पहुंचे शिकायतकर्ताओं ने शरीर को पहुंचे नुकसान के लिए कंपनी से क्षतिपूर्ति की मांग की है। खास बात यह है कि ब्रिटेन ने इस वैक्सीन पर अब सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी है। कंपनी के इस स्वीकारोक्ति के बाद अब मुआवजा मांगने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है। भारत में कोविड के बाद ऐसी मौतों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई थी, जिनमें कारण का स्पष्ट पता नहीं चला था। इनमें से अधिकांश को किसी न किसी शारीरिक समस्या से जोड़ कर देखा गया और सरकार व स्वास्थ्य जगत ने यह कभी नहीं माना कि कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण ऐसा हो सकता है। अब कंपनी की इस स्वीकारोक्ति के बाद भारत में भी मुकदमों का दौर शुरू होने की संभावना है।

यह खबर भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां कोविड-19 के प्रसार के दौरान बड़े पैमाने पर ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रोजेनेका की इसी वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से इस्तेमाल किया गया था। अब सवाल ये उठता है कि अगर भारत में इसकी वजह से कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ड्रैगन के लगातार बढ़ते वर्चस्व की चुनौती

केएस तोमर

हाल ही में चीन समर्थक, मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू की भारी जीत भारत के लिए एक बड़ा झटका है। इस जनादेश के मायने यह भी हैं कि मालदीव की जनता भी चीन की ओर अपने राष्ट्रपति के राजनीतिक झुकाव का समर्थन कर रही है। इसके साथ ही, मुइज्जू ड्रैगन की सैन्य उपस्थिति के लिए जगह बनाने को अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लागू करने के लिए तैयार है।

कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुइज्जू बेशक सफल राजनेता हैं लेकिन भूल रहे हैं कि कूटनीति में चरम स्थिति आत्मघाती भी हो सकती है। बहरहाल, चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति के मकसद से मालदीव को लुभाने को उत्सुक है। सुरक्षा बलों को मुफ्त प्रशिक्षण देने के अलावा बीते मार्च में मालदीव और चीन द्वारा गैर-घातक हथियारों के लिए हस्ताक्षरित 'सैन्य सहायता' समझौते से स्पष्ट है, मुइज्जू की हालिया जीत उन्हें भारत विरोधी रुख अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती है। बदले परिदृश्य में भारत को अपनी नीतियों में बदलाव कर मुइज्जू की गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि मुइज्जू ने तो 'इंडिया आउट' अभियान पर ही चुनाव जीता था। हाल ही में उन्होंने चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया, जिसमें उनकी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 93 में से 66 सीटों पर कब्जा कर लिया। जो चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

बहरहाल, भारत के लिए ये अच्छे संकेत नहीं कि मालदीव से अपने सैनिकों को वापस लाना पड़ रहा है। भारत ने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के मुइज्जू के फैसले पर सहमति व्यक्त की थी। उनके स्थान पर सिविल तकनीकी कर्मियों को नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, नेपाल में भी चीन समर्थक विचारधारा वाले कम्युनिस्टों का शासन है। सरकार बदलने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली और वर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच नया गठबंधन हो जाने की संभावना के चलते भारत के साथ आपसी संबंधों में असंतुलन पैदा हो सकता है। लेकिन भारत को पड़ोसी देश भूटान के साथ फिलहाल कोई समस्या नहीं है जबकि म्यांमार चुनौतियां पैदा कर सकता है। क्योंकि सैन्य शासक अपनी पकड़ ढीली कर रहे हैं और दुनिया को उम्मीद है कि भारत अपदस्थ

आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़ा रहेगा। चीन इस क्षेत्र में अपने संबंधों का विस्तार करने में आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र में पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर एक नजर डालें तो हमारे पड़ोसी को चीन को अपने पाले में लाने के लिए सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है और इसका ताजा उदाहरण नेपाल है। सरकार बदलने के बाद, नेपाल का कम्युनिस्ट शासन वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी 'ऋण नीति' के जाल में फंस रहा है जो खतरनाक है। वहीं पाकिस्तान के मामले में आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने पाक को 23 अरब डॉलर का भारी कर्ज दिया है, जिसमें वे 10 अरब डॉलर भी शामिल हैं, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के निमित्त काम करने वाले वाणिज्यिक बैंकों और अन्य ऋणदाताओं का बकाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान कभी भी इस ऋण से बाहर नहीं आ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है। श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफ के 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की। चीन मदद से पीछे हट गया था। चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है।

भारत को बांग्लादेश के साथ भी कोई समस्या नहीं है जिसने गत 23 नवंबर, 2023 को भारत को अपने पड़ोस का सबसे बड़ा विकास भागीदार बताया था, जब दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने तीन भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। कुछ पूर्व राजनयिकों का मानना है कि यदि चीन हमारे पड़ोसियों को हमसे दूर करने में सफल हो जाता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी प्रभावित होगा क्योंकि इससे सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा होगी। वहीं चीन की ऋण नीति उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद कर देगी। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए मालदीव और नेपाल के साथ भारत और अमेरिका को नयी रणनीति व लचीलेपन से कदम उठाने होंगे वरना भारत सीधे तौर पर प्रभावित होगा।

जंगल सुलगने से खतरे में जैव विविधता

जयसिंह रावत

धरती पर जीवन के लिए अति आवश्यक आक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शैवाल के बाद वनों की भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़े की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़ा ही जल रहा हो तो फिर प्राणवायु की उपलब्धता और उससे जुड़ी अन्य प्राकृतिक व्यवस्थाओं की कल्पना की जा सकती है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डैशबोर्ड पर सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर अवश्य नजर आयेगा।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेषित आंकड़े राज्यों के वन विभागों को देता है ताकि वे विभाग वनाग्नि को बुझाने के लिये तत्काल कार्रवाई कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रात: उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखंड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर वृक्षों, नाजुक वनस्पतियों के साथ ही वन्यजीव संसार भी खाक हो रहे थे। डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आंध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखंड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाएं दर्शायी गयी थीं। यही नहीं, डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए अन्य अग्निकांडों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखंड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़ और झारखंड की स्थिति बतायी गयी है।

चूंकि वन अब समवर्ती सूची के विषयों में शामिल हो गया है। इसलिये इसे बचाने की जिम्मेदारी केन्द्र और राज्य सरकारों की ही है। केन्द्र सरकार इस संबंध में राज्यों को तकनीकी सहायता, जानकारियां और वित्तीय योगदान ही दे सकती है और बचाव की मुख्य जिम्मेदारी राज्यों पर निर्भर हो जाती है। लेकिन प्राय: देखा जाता है कि राज्य सरकारें अक्सर संसाधनों के अभाव का ठीकरा केन्द्र सरकार पर फोड़ देती हैं। यही नहीं, वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है। जबकि वन पेड़ पौधों और जीवों की प्रजातियों की एक विशाल श्रृंखला का घर है, जिनमें से कई अन्यत्र कहीं नहीं पाए जाते हैं। वे वैश्विक जैव विविधता में योगदान करते हुए अनगिनत जीवों को आवास प्रदान करते हैं। जंगल में बड़े पेड़ों के अलावा छोटी नाजुक वनस्पतियां, लाइकेंस के साथ ही जीवों की कई प्रजातियां होती हैं जिनमें हिरन, लोमड़ी, गुलदार जैसे जीव प्राय: भागकर जान बचाने में कामयाब हो सकते हैं। लेकिन पक्षी, तितलियां, मक्खियां, मकड़े कीड़े मकोड़े, मेढक, दीमक, रेंगने वाले सांप छिपकलियां और केंचुए जैसे अनगिनत जीव प्रजातियां खाक हो जाती हैं। आप कह सकते हैं कि वनाग्नि से भरा पूरा वन्यजीव संसार खाक हो जाता है। जबकि चींटी और दीमक से लेकर बड़े स्तनपाई जीवों तक हर एक को प्रकृति ने कुछ न कुछ दायित्व सौंपा हुआ है। उदाहरण के लिये अगर वनों में दीमक न होंगे तो मिट्टी में उपजे बड़े पेड़े फिर मिट्टी में कैसे मिल पायेंगे। वनों को पृथ्वी के फेफड़े बताये जाने के पीछे का सत्य यह है कि मानव फेफड़े की तरह वन ऑक्सीजन का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सांस में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बनडाइऑक्साइड छोड़ते हैं। हमारी त्यागी गयी कार्बन डाइआक्साइड वृक्षों के काम आती है और पेड़-पौधों द्वारा छोड़ी गयी ऑक्सीजन हमारे काम आ जाती है। वन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं।

जंगल की आग से उत्पन्न धुआं और राख हवा की गुणवत्ता को खराब करता है, जिससे आस-पास के समुदायों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकता है। बड़े जंगल की आग का धुआं बहुत दूर तक जाता है, जिससे दूर के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। जंगल की आग बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इस धुएं में ब्लैक कार्बन होता है जो कि ग्लोबल और लोकल वार्मिंग को बढ़ाता है और इसका ऐरासोल वृद्धि के साथ ही अतिवृष्टि में भी सीधा योगदान होता है।

जंगल की आग एक वैश्विक समस्या है। आस्ट्रेलिया, अमेजॉन, कनाडा के लम्बे समय तक दहकने वाले अग्निकांड इतिहास में दर्ज हैं। चूंकि अब धीरे-धीरे धरती का वनावरण सिमट रहा है इसलिये बचे-खुचे जंगलों की आग और अधिक विनाशकारी साबित हो रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वन क्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है। फारेस्ट इन्वेटरी रिकार्ड के अनुसार भारत में 54.40 प्रतिशत वन कभी-कभी आग की चपेट में आते हैं, 7.49 प्रतिशत मामूली रूप से बार-बार जलते हैं जबकि 2.40 प्रतिशत वन अक्सर जलते रहते हैं। देश का 35.71 प्रतिशत वन क्षेत्र कभी भी आग की चपेट में नहीं आया।

घर पर बनाएं टेस्टी सूजी का हलवा

मीठे में हलवा खाना लोगों को काफी पसंद होता है। हल्वा बनाना बेहद ही आसान होता है। इसे बनाने के लिए बेहद कम सामग्री चाहिए और यह खाने में भी काफी स्वादिष्ट होता है। इसलिए हम आपके लिए आज हलवे की रेसिपी लाए हैं, ताकि आप इसे आसानी से बना पाएं।

सामग्री

1 बड़ा चम्मच कटी हुई किशमिश, 150 ग्राम सूजी, 1 1/2 कप उबला हुआ पानी, 1/4 कप चीनी, 1/4 कप घी, 1 बड़ा चम्मच कटे हुए काजू, 1/4 कप गाढ़ा दूध, 1 चम्मच कटे हुए बादाम।

विधि

एक गहरा नॉन-स्टिक पैन लें और उसे मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें घी डालकर एक मिनट तक गर्म करें। जब घी पूरी तरह पिघल जाए तो इसमें सूजी डालकर अच्छे से भून लीजिए। सूजी भूनते समय इसे लगातार चलाते रहें जब तक कि इसमें से अच्छी खुशबू न आने लगे और इसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए। जब सूजी रेत जैसी हो जाए तो इसमें कटे हुए काजू और कटी हुई किशमिश डालें। इन्हें अच्छे से मिलाएं और कुछ मिनट तक भून लें। इस बीच, एक और पैन लें और उसे मध्यम आंच पर गर्म करें। पैन में पानी और दूध डालें और उबलने दें। उबाल आने पर चीनी डाल दीजिए। इसे अच्छे से हिलाएं। जब दूध-पानी का मिश्रण

तैयार हो जाए तो इसमें सावधानी से भुनी हुई सूजी मिलाएं। सूजी डालते समय अच्छी तरह हिलाते रहें ताकि गुठलियां न रहें। बनी गुठलियों को तोड़ने के लिए चम्मच के पिछले भाग का उपयोग करें, इसे तब तक हिलाएं जब तक कि दूध-पानी का मिश्रण सूजी के साथ अच्छी तरह से मिल न जाए। इसे गाढ़ा होने तक हिलाएं। मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं। जब यह पैन के किनारे छोड़ने लगे तो आंच बंद कर दें। अंत में, हलवे को कटे हुए बादाम से सजाएं और गर्म होने पर ही परोसें!

10 मिनट में बनाएं पालक की ये डिश

शरीर मे पोषक तत्वों को कमी को पूरा करने के लिए खाने पीने में ऐसी सामग्री का सेवन करें जो आपके स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हो। भाग दौड़ भरी जिंदगी में आप खान पान पर ध्यान नहीं दे पाते। इससे आपके शरीर में पोषण की कमी हो जाती है और शरीर बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। स्वस्थ रहने और बीमारियों से दूर रहने के लिए हरी सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें। हरी सब्जियों में पालक सबसे पोषक होता है। इसमें आयरन होता है, जिसके सेवन से शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाव होता है। महिलाओं में एनीमिया का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में पालक से बनी रेसिपी को खाने में शामिल करें। आए दिन एक ही तरह की पालक की डिश खाने से आप बोर हो सकते हैं।

पालक का सूप

सर्दियों में सूप अक्सर घरों में बनता है। सूप में आप पालक का सूप भी बना सकते हैं। पालक का सूप बनाने की आसान रेसिपी यहां है।

सामग्री

कटा हुआ पालक, दूध, मैदा, चीनी, नमक, काली मिर्च पाउडर, बारीक कटा प्याज, लहसुन, तेल।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके उसमें बारीक कटे प्याज और लहसुन को सुनहरा होने तक भून लें। उसमें पालक मिलाकर पका लें। एक दो चम्मच मैदा डालकर अच्छे से मिला लें। चुटकी भर चीनी, नमक, और काली मिर्च पाउडर डालकर पानी मिलाएं। जब ये पक जाएं तो कैस बंद करके कुछ देर ठंडा होने दें और बाद में पालक का मिक्सर में पीस लें। इसे मध्यम आंच पर उबालें और एक कप दूध मिला लें। गरमा गरम पालक सूप सर्व करें। ऊपर से पनीर के क्यूब भी डाल सकते हैं।

पालक पनीर की भुर्जी

आपने पालक पनीर की ग्रेवी वाली सब्जी तो खाई ही होगी लेकिन आप घर पर 10 मिनट में पालक पनीर भुर्जी बना सकती हैं। जान लीजिए पालक पनीर भुर्जी बनाने की रेसिपी।

सामग्री

पालक, पनीर, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक , जीरा, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गर्म मसाला, हरा धनिया, नमक और तेल।

विधि

सबसे पहले कढ़ाही में तेल डालकर गर्म करेंगे। फिर जीरा डाल देंगे। जीरा ब्राउन हो जाए तो अदरक, हरी मिर्च, तेज पत्ता और दालचीनी को डालकर भूनेंगे। अब प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएंगे। फिर लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर और नमक डालकर कुछ देर चलाएंगे। फिर टमाटर को एड करेंगे और इसे ढक कर पकने के लिए रख देंगे। फिर पालक मिलाएं और फिर से ढक देंगे। कुछ देर बाद पनीर मिक्स करेंगे और अब इसमें गरम मसाला और हरा धनिया डालकर मिलाएं और कुछ देर तक पकने देंगे।

हंसना मना है

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मजाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

शादी के वक्त भाई समझौता दोनों ही करते है। स्त्री- अपने मां बाप व मायका छोड़ देती हैं और पुरुष अपने सुख-शांति व अच्छे दिनों की उम्मीद।

पंडितजी की कथा और अपने बीवी की व्यथा बिलकुल एक जैसी होती हैं समझ में तो कुछ ज्यादा नहीं आता, फिर भी उसे ध्यान लगा-कर सुनने का नाटक करना ही पड़ता है..!

एक बेरोजगार का दर्द... यहां रेलवे ग्रूप डी की तैयारी नहीं हो पा रही...! और... सोनी मैक्स पर हीरालाल ठाकुर की बहू हर हफ्ते आईएएस क्लियर कर देती है...!!!

शाम को पति के घर आते ही पत्नी ने किच-किच शुरू कर दी, परेशान पति- अरे यार दिनभर का थका-हारा आया हूं, पहले फ्रेश तो होने दो..! पत्नी - मैं भी तो दिनभर अकेली थी, तो मैं भी फ्रेश ही हो रही हूं...!!!

कहानी — नटखट परी और जादुई गुफा

एक समय की बात है एक बहुत ही नटखट परी थी। वह पूरी दुनिया देखना चाहती थी। यह सोचकर वह अपने सभी लोगों से अलग हो गई। वह हर दिन बहुत दूर-दूर तक जाती और नए लोग व नई दुनिया देखती थी। एक दिन वह उड़ती हुई एक घर के पास पहुंची। वहां पर वह खिड़की के पास छिप गई। उसने देख उस घर में एक लड़का अपनी मां से जिद कर रहा था कि उसे परी देखना है। उसकी मां उसे समझा रही थी कि परियां सिर्फ आसमान में रहती हैं। जब आसामान पूरी तरह से साफ हो जाए, तब तुम उन्हें देख सकते है। अभी रात हो गई है सो जाओ और सुबह जब आसामन साफ होगा तो परी को देख लेना। मां की बात सुनकर वह लड़का सोने लगता है, लेकिन इसे नींद नहीं आती है। तभी खिड़की पर उसे नटखट परी दिखाई देती है। वह उसे घर के अंदर लेकर आता है। उसने देखा वह नटखट परी बहुत ही छोटी है। दोनों साथ में खेलने लगते हैं। नटखट परी उसे अपना जादू दिखा रही थी और वह लड़का भी खुश होकर नाचता। तभी लड़के के कमरे इस तरह की शोर सुनकर वहां पर उसकी मां आने लगती है। लड़का नटखट परी से कहता है कि अब तुम्हें यहां से जाना होगा। मेरी मां आ रही हैं। लड़के की बात सुनकर नटखट परी वहां से उड़ जाती है और लड़का चुपचाप लेटकर सोने का नाटक करने लगता है। जब मां ने दरवाजा खोला तो देखा उसका बेटा तो सो रहा है। उसने सोचा उसे कोई भ्रम हुआ होगा और वह भी अपने कमरे में सोने चली गई।

कहानी से सीख- हर किसी में एक नटखट और शरारती पन छिपा होता है। फिर चाहे कोई बच्चा हो या कोई बड़ा आदमी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फिगर को देख लोगों ने दी सर्जरी की सलाहः राधिका

एक्ट्रेस राधिका मदान ने अपने करियर की शुरुआत 2014 में टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही से की। इस शो में राधिका को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद राधिका मदान ने विशाल भारद्वाज की फिल्म पटाखा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद एक्ट्रेस इरफान खान और करीना कपूर खान के साथ अंग्रेजी मीडियम में दिखाई दी। लेकिन राधिका मदान के लिए ये सब हासिल करना इतना आसान नहीं था। टीवी छोड़ने के बाद अपने स्ट्रगल के बारे में एक्ट्रेस ने खुलकर बात की थी और बताया था कि बॉलीवुड में आना उनके लिए कितना मुश्किल रहा है। राधिका ने शेयर किया कि, 17 साल की उम्र में उन्होंने मेरी आशिकी तुम से ही के लिए ऑडिशन दिया। इसमें उन्होंने ईशानी का लीड रोल प्ले किया। राधिका आगे बताती हैं कि समय और नींद ना मिलने की वजह से उनका वजन थोड़ा बढ़ गया था। उसके बाद उन्होंने अफवाह सुनी कि उन्हें रिप्लेस किया जा सकता है, जिसकी वजह से उन्होंने और कुछ नया करने की ठान ली। 17 साल की उम्र में, मैंने एक टीवी शो के लिए ऑडिशन दिया और 3 दिनों के अंदर मैं शूटिंग के लिए बॉम्बे में थीं। स्ट्रगल के दिनों को याद कर एक्ट्रेस ने खुलाया किया कि, मुझे मुश्किल से ही सोने का समय मिल पाता था, जिसकी वजह से मेरा वजन बढ़ गया। फिर इसलिए मैंने वर्कआउट करना शुरू कर दिया। मुझे और भी टीवी ऑफर मिले, लेकिन मैंने खुद से कहा, तुम केवल 19 साल की हो, अगर तुमने आराम चुना, तो फंस जाओगी इसलिए मैंने फिल्में करने के लिए टीवी छोड़ दिया। मैंने ऑडिशन देना शुरू किया, लेकिन मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। राधिका मदान ने बताया कि उन्हें लंबे समय तक काम नहीं मिला और उनसे कहा गया कि उन्हें सुंदर दिखने की जरूरत है और यहां तक कि उन्हें सर्जरी की भी जरूरत है। लेकिन मुझे तो मैं बहुत सही लगती हूं। ये लोग कौन होते हैं मुझसे कहने वाले कि मैं सुंदर नहीं हूं? लेकिन अगले 1.5 साल तक मुझे काम नहीं मिला। इसके बावजूद मैंने हार नहीं मानी और लगातार ऑडिशन दिए। जिसका रिजल्ट ये था कि मैंने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली थी।

मेरा काम नोटिस नहीं किया गया : इलियाना

इलियाना डिक्रूज ने बॉलीवुड में कुछ ही फिल्में की है लेकिन उन्होंने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। हाल ही में एक्ट्रेस दो और दो प्यार में नजर आई थीं। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने विद्या बालन और प्रतीक गांधी संग स्क्रीन शेयर की थी। वहीं एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में अपनी जर्नी के बारे में बात की और कहा कि उन्हें वो नहीं मिला जिसकी वे हकदार थीं। अगस्त 2023 में इलियाना ने अपने बेटे का वेलकम किया था। इसके बाद उन्होंने सुर्खियों से ब्रेक ले लिया था। वहीं अब इंडिया टुडे से बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार हूं, तो नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता कि मुझे मेरा हक मिल गया है। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि मैंने जो बहुत सारा काम किया है, उस पर किसी का ध्यान नहीं गया है। और मैं नहीं जानती क्यों। साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्मों में अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए इलियाना ने कहा, इसका मतलब बदलाव नहीं था। मैं एक हिंदी फिल्म कर रही थी क्योंकि मुझे एक कहानी के तौर पर 'बर्फी' बहुत पसंद थी। मुझे लगा कि यह एक अलग तरह की फिल्म थी, और मैंने वास्तव में खुद को ऐसा कुछ करते या ऐसा कुछ दोबारा मेरे सामने आते नहीं देखा, यह एक बार की फिल्म थी और मुझे लगा कि इसे छोड़ना बेवकूफी होगी। इसका मतलब ये नहीं था कि मैं बॉलीवुड में जाकर कभी साउथ फिल्म नहीं करूंगी। लेकिन जब मैंने बर्फी के लिए हामी भरी तो मुझे लगा कि कहीं न कहीं यह अजीब गलतफहमी थी कि वह अब बॉलीवुड में मूव कर गई है और वो साउथ की फिल्में करने में दिलचस्पी नहीं ले रही है। बता दें कि इलियाना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2006 की तेलुगु फिल्म 'देवदासु' से की थी। इसके बाद वह 2012 तक कई कन्नड़, तमिल और तेलुगु फिल्मों में दिखाई दीं, अनुराग बसु की 'बर्फी' में रणबीर कपूर के साथ उनके बॉलीवुड डेब्यू ने करियर को ऊंचाई पर पहुंचा दिया था। हालांकि, 'बर्फी' में काम करन के बाद, उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से फिल्में ऑफर होना बंद हो गया था। बर्फी (2012) अनुराग बसु द्वारा लिखित और निर्देशित एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, प्रियंका चोपड़ा और इलियाना ने दमदार एक्टिंग की थी।

बॉलीवुड | मसाला

लापता लेडीज बहुत अच्छी लगी : वरुण धवन

बड़े पर्दे पर रिलीज होने के बाद फिल्म लापता लेडीज को दर्शकों और समीक्षकों की खूब प्रशंसा मिली थी। किरण राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। नेटफ्लिक्स पर भी इसे लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। केवल आम लोग ही नहीं बल्कि, फिल्मी सितारों को भी यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। अब इस लिस्ट में वरुण धवन का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में वरुण धवन ने बताया कि उन्हें फिल्म की हर एक चीज काफी पसंद आई। अभिनेता ने मंगलवार को फिल्म का रिव्यू करते हुए अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लापता लेडीज की जमकर तारीफ की। उन्होंने इस फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, लापता लेडीज बहुत अच्छी लगी। हर कलाकार ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस फिल्म का सबकुछ पसंद आया। इससे पहले सनी देओल ने भी लापता लेडीज की जमकर प्रशंसा कर चुके हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की सराहना करते हुए एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा था। अभिनेता ने लिखा था, अभी-अभी लापता लेडीज देखी। लंबे समय से इतनी हृदयस्पर्शी और मासूम फिल्म नहीं देखी थी। किरण राव और उनकी टीम को मेरी शुभकामनाएं। मैं सभी को इस शानदार फिल्म को देखने की सलाह दूंगा। वहीं हंसल मेहता ने भी इसे देखने के बाद फिल्म की तारीफों के पुल बांधे थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण जल्द ही बेबी जॉन नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वे दमदार एक्शन करते दिखेंगे। फैंस को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, वे जान्हवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी नाम की फिल्म में दिखेंगे। इसका निर्देशन शशांक खेतान करेंगे। वरुण और शशांक एक साथ कई हिट फिल्में दे चुके हैं।

लंबे समय से इतनी हृदयस्पर्शी और मासूम फिल्म नहीं देखी थी

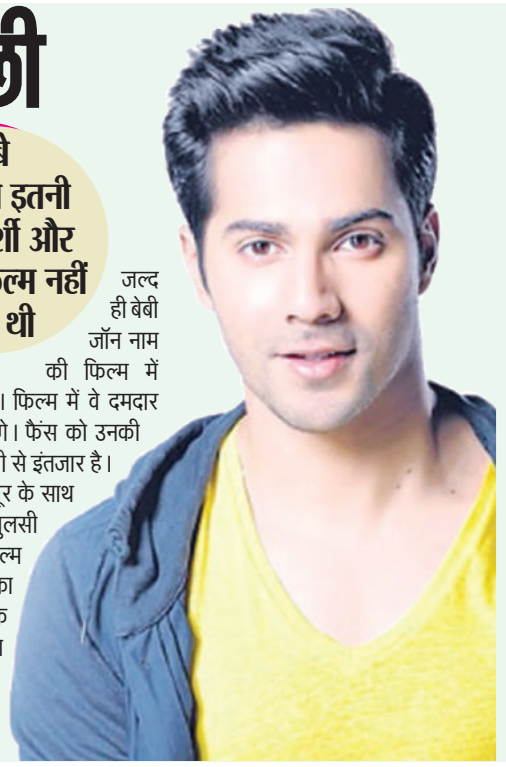

अजब-गजब | 69 बच्चे पैदा कर चुकी है ये महिला, विश्व रिकॉर्ड इन्हीं के नाम

16 जुड़वां, 4 बार 4 बच्चों ने साथ लिया जन्म

आज के दौर में एक बच्चे का भी पालन पोषण काफी कठिन लगता है। लेकिन एक महिला ने 69 बच्चे पैदा कर डाले। इनमें 16 जुड़वां पैदा हुए, तो सात बार तीन बच्चों ने एक साथ जन्म लिया। इतना ही नहीं, 4 बार चार बच्चे एक साथ पैदा हुए। अरे चौंकिए नहीं, यह कोई कहानी नहीं है, बल्कि ऐसा हुआ है। यह महिला अपने जीवन में कुल 27 बार प्रेग्नेंट हुई और ज्यादातर वक्त जुड़वा या तीन-चार बच्चों को जन्म दिया। सबसे ज्यादा बच्चे पैदा करने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इन्हीं के नाम है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह महिला रूस के शुआ इलाके की रहने वाली थी और एक मठ से जुड़ी हुई थी। रूसी सरकार को मठों की ओर से सौंपे दस्तावेज में इनके पति का नाम फेओडोर वासिलीव बताया गया है। मेडिकल साइंस के मुताबिक, वैसे तो आज तक किसी के भी 16 से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं हुए। इसलिए एक महिला के इतने अधिक बच्चों के जन्म देने की बात असंभव लग रही होगी, लेकिन मठों ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें इसका पूरा जिक्र किया गया है। मॉस्को को निकोलस्क के मठ के अनुसार, 1725 से 1765 के बीच फेओडोर वासिलीव की पत्नी 27 बार प्रेग्नेंट हुई। इस दौरान 16 जोड़े जुड़वां, सात जोड़े तीन बच्चे और चार जोड़े चार बच्चे पैदा हुए। यानी कुल मिलाकर 69 बच्चों ने एक ही महिला की कोख से जन्म लिया। आप जानकर हैरान होंगे कि फेओडोर वासिलीव ने एक अन्य महिला से भी शादी की। वह भी 8 बार प्रेग्नेंट हुई और उनके 18 बच्चे पैदा हुए। इनमें से 6 बार जुड़वां बच्चों ने जन्म लिया। इस तरह देखें तो वासिलीव की दोनों बीवियों से कुल 87 बच्चों का जन्म हुआ। कहा जाता है कि इनमें 84 जिंदा रहे, बाकी 7 बच्चों की जन्म के कुछ दिनों बाद मौत हो गई। दोनों पत्नियों का नाम क्या था, इसके बारे में पूरी जानकारी सामने नहीं आ पाई है। लेकिन कुछ लोगों का दावा है कि पहली पत्नी का नाम वेलेंटीना वासिलीव था और वह 76 साल तक जिंदा रहीं। जब उनके बच्चों के बारे में कागजात सरकार को दिए गए, तब वे जिंदा थीं और उनकी उम्र 75 साल थी। तो क्या एक महिला के लिए 60 से ज्यादा बच्चे पैदा करना संभव है? वैज्ञानिक इस बात को आज भी नहीं मानते। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के प्रजनन विभाग के निदेशक जेम्स सेगर्स के मुताबिक, ऐसा संभव तो नहीं लगता। हालांकि, जितना हम सोचते हैं, एक महिला उससे ज्यादा बच्चे पैदा कर सकती है। सबसे पहले तो ये सोचिए कि 40 साल में कोई महिला 27 बार कैसे प्रेग्नेंट हो सकती है। क्या उसके लिए पर्याप्त समय होगा? अंकों के हिसाब से देखें तो आप कहेंगे, हो सकता है, लेकिन तीन और चार बच्चों का जन्म आमतौर पर काफी वक्त बाद होता है। जबकि इस महिला को लगातार जुड़वां बच्चे होते रहे।

9 करोड़ से 6 गुना ज्यादा पैसा देकर खरीदी घड़ी, टाइटैनिक से रिश्ता

दुनिया की सबसे महंगी घड़ियों की बात की जाए, तो ग्राफ डायमंड्स हैल्यूसीनेशन का नाम आता है। आम आदमी तो इसे खरीद ही नहीं सकता, क्योंकि इसकी कीमत 458 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। दूसरे नंबर पर ग्राफ डायमंड द फैसिनेशन आती है, जो 333 करोड़ रुपये में बिकती हैं। इन घड़ियों को ऑर्डर देकर बनवाया जाता है। लेकिन इन दिनों एक अलग ही घड़ी की चर्चा है। क्योंकि इसे खरीदने वाले ने मुंहमांगी कीमत से भी 6 गुना ज्यादा पैसा देकर इस घड़ी को खरीदा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सोने की पॉकेट घड़ी थी, जिसे टाइटैनिक पर सवार सबसे धनी यात्री जॉन जैकब एस्टोर ने पहना था। हाल ही में जब इसकी नीलामी हुई तो कीमत 150,000 पाउंड यानी तकरीबन 1.5 करोड़ लगाई गई। लेकिन एक शख्स ने इसे 900,000 पाउंड देकर खरीदा। भारतीय रुपयों में इसकी कीमत देखें तो 9.5 करोड़ रुपये बैठती है। इससे पहले टाइटैनिक जहाज पर मिले एक वायलिन को नीलाम किया गया था, जिसके लिए खरीदार ने 1.1 मिलियन पाउंड चुकाए थे। बता दें कि 14 अप्रैल 1912 की रात जब टाइटैनिक जहाज साउथेम्प्टन से न्यूयॉर्क जा रहा था, तब यह उत्तरी अटलांटिक में एक हिमखंड से टकराकर समुद्र में डूब गया। इसके साथ ही, जहाज पर सवार 1,500 से अधिक लोग भी समुद्र में समा गए। बाद में इस जहाज के अवशेष तलाशे गए, तो 280 से अधिक चीजें निकाली गईं, जो यादगार हो गईं। इन्हें धीरे-धीरे नीलाम किया जा रहा है। लोगों के दिल के यह इतना करीब है कि लोग मुंहमांगी कीमत देकर खरीदते हैं। 47 वर्षीय मिस्टर एस्टोर भी टाइटैनिक पर अपनी बीवी के साथ सवार थे। हादसे के वक्त वे अपने पत्नी को लाइफबोट में बिठाने और सिगरेट पीने चले गए। उस वक्त उन्होंने यह पॉकेट घड़ी अपने साथ रखी थी। लंकाशायर के वालेस हार्टले उस बैंड का नेतृत्व कर रहे थे, जो हादसे के वक्त बैंड बजा रहा था। जब जहाज डूब रहा था, तो वे बिना घबराए लोगों को शांत रखने की कोशिश कर रहे थे।

शाह जी आप सनातन की बात करते हैं, पर जानते कुछ नहीं : दिग्विजय

गृहमंत्री पर पूर्व सीएम ने कसा तंज- सनातनियों का जनाजा नहीं अर्थी निकलती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजगढ़। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से सबसे चर्चित राजगढ़ लोकसभा सीट बीते दिनो केंद्रीय मंत्री अमित शाह के जनाजे वाले बयान के बाद से वहां पर सियासत गरमा गई है। मप्र के पूर्व सीएम व कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अमित शाह के उक्त बयान पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से पलटवार करते हुए लिखा कि, अमित शाहजी आप सनातन की बात करते हैं, और आप को ये नहीं मालूम कि सनातनियों की अर्थी निकलती है जनजा नहीं! वहीं, भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में देश व प्रदेश स्तर के नेता चुनावी सभा को संबोधित कर चुके हैं।

आपको बता दें, राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने आए देश व प्रदेश स्तर के नेताओं ने राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण ठुकराने को लेकर दिग्विजय सिंह को जमकर घेरा है और भाजपा के बड़े नेताओं ने कभी उन्हें आतंकवादियों को गले लगाने वाला और रामद्रोही जैसे शब्द से भी संबोधित किया है, जिनके जवाब में दिग्विजय सिंह पूर्व में ही चुनाव आयोग व कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करा चुके हैं। वहीं, बीते दिनों खिलचीपुर में भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए आए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तो उन्हें भारी मतों से हराकर उनका जनाजा धूमधाम से निकालने की बात तक कह डाली। अमित शाह का यह बयान राष्ट्रीय स्तर तक की सुर्खियां बना और विपक्ष की ओर से भी पलटवार का सिलसिला जारी है। अमित शाह के बयान के अगले दिन दिग्विजय सिंह ने जनसंपर्क के दौरान अमित शाह के बयान का पलटवार करते हुए कहा था कि उन्होंने 15 मिनट के भाषण में 17 बार मेरा नाम लिया है, वो मुझसे इतने प्रभावित हैं कि उन्हें सपने में भी दिग्विजय सिंह नजर आता है। वहीं, बीते दिनों राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के चाचौड़ा में दिग्विजय सिंह के समर्थन में नुक्कड़ सभा को संबोधित करने आए पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम भी अमित शाह पर जमकर बरसे और कड़े शब्दों में अमित शाह के बयान की निन्दा की।

भाजपा को खुद के लिए 15 वर्ष और सेना के जवानों के लिए सिर्फ चार वर्ष चाहिए : पायलट

दो दिवसीय सरगुजा दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने अंबिकापुर नगर के राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन को सबसे ज्यादा सीट मिल रही हैं। भाजपा कुछ भी प्रचार-प्रसार कर ले झूठ पर हमेशा सच भारी पड़ता है। हमारी एकजुटता भाजपा पर भारी पड़ रही है। छत्तीसगढ़ में पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद भाजपा नेता 400 पार बोलना बंद कर दिए हैं। वह समझ गए हैं कि उनकी जमीन खिसक गई है। सचिन पायलट ने कहा, 10 साल में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला था, लेकिन उसने हर वर्ग को जुमले वाला आश्वासन दिया और धरातल पर कुछ नहीं कर सके। इनके भाषण भी बौखलाहट वाले होते हैं। इतने दशक बीत गए किसान आज भी दलाल के चक्कर और सही मूल्य के लिए तरस रहा है। इनके लिए हम कानून बनाएंगे। भाजपा खुद के लिए 15 वर्ष और सेना के जवानों के लिए सिर्फ 4 वर्ष दे रही है, इसे हम समाप्त कर रेगुलर भर्ती करेंगे।

कांग्रेस इस लायक नहीं कि उसके बारे में कुछ बोला जाए : उमा भारती

मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस आज इस लायक नहीं है कि उसके बारे में कुछ बोला जाए। देश को गर्त में ले जाने का काम कांग्रेस ने किया। देश में इमरजेंसी कांग्रेस लाई, कुर्सी बचाने के लिए देश का बंटवारा किया। देश में सिख दंगे करवाए, यह सब कांग्रेस की करतूतें हैं। भारती ने यह बात शिवपुरी जिले के पिछोर में बुधवार को भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजू बाथम सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए उमा भारती ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश आजाद हो गया। लेकिन यह दोनों अभी भी अपने आप को रानी और शहजादे समझते हैं। पूर्व में इनके द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर आज यह भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर हैं।

चुनाव आयोग के फैसले से लोगों में बढ़ेगा गुस्सा : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर मतदान 25 मई तक स्थगित करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को जमकर घेरा। अनंतनाग-राजोरी सीट पर पार्टी की ताकत और उसकी जीत की संभावनाओं के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं केवल यही कह सकता हूं, मुझे लोगों पर पूरा भरोसा है। हमें अल्लाह पर पूरा भरोसा है।

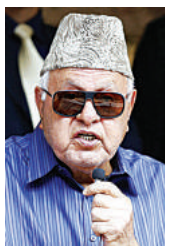

नेकां उम्मीदवार और पूर्व मंत्री मियां अल्ताफ अहमद ने भी ईसीआई पर निशाना साधा और दावा किया कि उन्होंने चुनाव के इतिहास में चुनाव टालने का ऐसा उदाहरण नहीं देखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिस्टम के खिलाफ लोगों का गुस्सा और बढ़ेगा। इस तरह के कदम का कोई औचित्य नहीं है। राजोरी-पुंछ बेल्ट के साथ अनंतनाग के लोगों को जोड़कर परिसीमन के बाद बनाई गई सीट अन्याय और क्रूरता है। लोग इसे पहले ही महसूस कर चुके हैं। वे इससे नाखुश हैं। यह सिर्फ एक बहाना है। पुनर्निर्धारित अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर 7 मई को होने वाले चुनाव को चुनाव आयोग ने 25 मई तक के लिए स्थगित कर दिया है।

महबूबा मुफ्ती को पार्लियामेंट जाने से नहीं रोक सकते : पीडीपी

पीडीपी के प्रवक्ता डॉ हरबख्श सिंह ने कहा, दो मुख्य राजनीतिक दल पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन यह एक चाल के तौर पर लिया गया फैसला है। इनको (भाजपा) डर है, यह महबूबा मुफ्ती को रोकना चाहते हैं। महबूबा मुफ्ती एक बेबाक लीडर हैं, उनको वो पार्लियामेंट जाने से नहीं रोक सकते चाहे वो कोई भी कदम उठाएं। महबूबा मुफ्ती की मीडिया सलाहकार और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा -अनंतनाग-राजोरी चुनाव केवल इसलिए स्थगित कर दिया गया क्योंकि उन्हें डर है कि मुफ्ती भारी जीत हासिल करेंगी। केवल इसलिए कि वे संसद में निडर आवाज नहीं चाहते। लेकिन हम इस चुनौती को स्वीकार करते हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि इंशाल्लाह वह बड़े अंतर से जीतें।

प्रदेश में मई में और प्रचंड होगी गर्मी

» लू का अलर्ट, लोगों से घरों से कम निकलने का आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । प्रदेश में मई महीने में गर्मी और तल्ख होगी। मौसम विभाग ने चार -पांच दिनों बाद दोपहर में तेज लू चलेगी। वैज्ञानिकों ने लोगों से घरों में रहने को कहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मई की गर्मी ज्यादा सताने वाली है। पिछले वर्षों के मुकाबले इस मई में चार से सात दिन हीटवेव और लू चलने की आशंका जताई गई है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के हवाले से बताया कि अल नीनो का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। मानसून के दूसरे चरण तक भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्रों में इसके तटस्थ होकर ला-नीनों में विकसित हो जाने की संभावना है। इसके असर से मई में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक तो वहीं प्रदेश के अन्य इलाकों में भी सामान्य या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मई माह में हर साल औसतन 2-3 दिन तक गर्म हवाएं और लू चलती है, मगर इस माह 4 से 7 दिन हीट वेव की आशंका है। हीट वेव का असर प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में ज्यादा देखने को मिल सकता है। मई माह में बरसात के पूर्वानुमानों में उन्होंने बुंदेलखंड के क्षेत्र में सामान्य से कम तो वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश व गोरखपुर से लगे इलाकों में सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना जताई है।

नगर निगम की लापरवाही से गई मजदूरों की जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीवर सफाई के दौरान गड्ढे में गिरकर मौत, दो इंजीनियर निलंबित

लखनऊ। नगर निगम की लापरवाही एकबार फिर सामने आई है। ठीक मजदूर दिवस के दिन उनकी अनदेखी की वजह से दो मजदूरों की जान चली गई। ज्ञात हो कि मजदूर दिवस पर रेजीडेंसी के सामने नई सीवर लाइन में सफाई के दौरान जहरीली गैस के चलते दो मजदूरों की मौत हो गई। मरने वाले पिता-पुत्र सीतापुर के रहने वाले हैं। सीवर लाइन बिछाने वाले ठेकेदार ने बिना सुरक्षा उपकरणों के ही मजदूरों को सफाई के लिए उतार दिया था। जल निगम प्रशासन ने ठेकेदार के खिलाफ वजीरगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

मामले में दो इंजीनियर निलंबित कर दिए गए हैं। जल निगम शहरी के प्रबंधक निदेशक राकेश मिश्रा ने सहायक अभियंता मुनिस अली और अवर अभियंता गुडलक वर्मा को निलंबित कर दिया गया है। जल निगम ने रेजीडेंसी के सामने वाली रोड पर करीब तीन साल पहले सीवर लाइन बिछाई है। यह अभी चालू नहीं हुई है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे उसमें पड़ी मिट्टी की सफाई का काम ठेकेदार फर्म केके स्पन कंपनी करा रही थी। आसपास के लोगों ने बताया कि सफाई के लिए तीन मजदूर आए थे।

रिश्ते में दोनों पिता-पुत्र हैं

दो सीवर लाइन में उतरे और एक ऊपर ही रहा। जो मजदूर नीचे उतरे वह सीवर लाइन की जहरीली गैस से बेहोश होकर गिर गए। यह देख ऊपर वाले मजदूर ने चिल्लाना शुरू किया। जिसके बाद पास से ही कुछ वकील व अन्य लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस, फायर विभाग, नगर निगम, जलकल विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे। इसके अलावा एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची। इन सबके बीच करीब डेढ़ घंटे तक मजदूर चैंबर में ही पड़े रहे। उनको निकालने के बाद एक को बलरामपुर अस्पताल और दूसरे को ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मरने वालों की पहचान सीतापुर के कमलापुर थाने के सरवर गांव के सोबरन यादव (55) और उसके पुत्र सुशील यादव (32) के रूप में हुई है।

किंग्स की फिरकी में फंसे चेन्नई के सुपर किंग्स

» 49वें मुकाबले में पंजाब ने 7 विकेट से मारी बाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 49वें मुकाबले में पंजाब ने किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 163 रन बनाए, जिसके जवा में पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट गंवाकर आसानी से मैच अपने नाम कर लिया। पंजाब ने सीएसके के खिलाफ लगातार पांचवीं जीत हासिल की है। पंजाब आईपीएल में सीएसके के खिलाफ ये कमाल करने वाली दूसरी टीम है। इससे पहले मुंबई इंडियंस ने चेन्नई से लगातार पांच मैच जीते हैं।

इस दौरान पंजाब की तरफ से राहुल चाहर और हरप्रीत बराड़ ने शानदार फिरकी गेंदबाजी की। उन्होंने दो-दो विकेट चटकाने के अलावा अपने कोटे के चार-चार ओवर में बिना कोई बाउंड्री खाये क्रमश:16 और 17 रन दिये। वहीं बाद में जॉनी बेयरस्टो (30 गेंद में 46 रन) और रिली राएसो (23 गेंद में 43 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स को बेहतरी जीत दिलाई।

बेयरस्टो ने लगाए ताबड़तोड़ चौके

वहीं बेयरस्टो ने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का जबकि रोसेयु ने पांच चौके और दो छक्के जड़ें। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 37 गेंद में 64 रन की साझेदारी कर मैच को सीएसके की पकड़ से दूर किया इसके बाद शशांक सिंह (नाबाद 25) और कप्तान सैम कुरेन (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 50 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिला दी।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने गायकवाड़

इससे पहले चेन्नई की तरफ से रुतुराज गायकवाड़ ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में एक छोर संभाले रखा और 48 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाये। वह इसके साथ ही इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। उनके नाम 10 मैचों में 509 रन हो गये हैं। सीएसके के कप्तान पहले विकेट के लिए अजिंक्य रहाणे (23 गेंद में 29 रन) के साथ 50 गेंद में 64 और समीर रिजवी (23 गेंद में 21 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 34 गेंद में 37 और मोईन अली (नौ गेंद में 15 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 15 गेंद में 38 रन की साझेदारी की जिससे सीएसके प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंच सकी।

एनडीए में ही है सबसे ज्यादा परिवारवाद : तेजस्वी

बोले - बलात्कारियों को बचाओ... की राह पर वो लोग, कर्नाटक कांड पर उतारा गुस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दूसरे चरण के चुनाव के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। एक ओर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता अपनी जीत का दावा कर रहे हैं तो वहीं महागठबंधन के नेता इंडी गठबंधन की जीत का दवा कर रही। अब नेता प्रतिपक्ष ने बड़ा बयान दिया है। एनडीए द्वारा जातिवाद और परिवारवाद को खत्म करने वाले बयान पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह काफी हास्यापद है। दो कारण है, पहला तो उनकी सरकार बनने नहीं जा रही है। दूसरा, पहले अपने घर से तो शुरुआत करें।

तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा कि परिवारवाद खत्म करना है तो पहले अपने दल से शुरू करें। परिवारवाद सबसे ज्यादा एनडीए में ही है। मैंने तो पूरी लिस्ट जारी कर दी थी। पहले अपने दल से शुरू करें अपने घर से शुरू करें। तय करें कि जितने भी सहयोगी घटक दल हैं उनमें परिवारवाद नहीं होगा। भाजपा वाले जितने नेता वह भी परिवारवाद वाले नहीं होंगे। असल में एनडीए वालों का दिमाग खराब हो गया क्योंकि यह लोग हार रहे हैं।

पीएम क्यों नहीं कार्रवाई कर रहे हैं

गृह मंत्री अमित शाह के हर साल प्रधानमंत्री बदलने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि वह हार मान गए न। यानी वह मान गए कि इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। दूसरी ओर कर्नाटक में ढाई हजार बहनों के साथ शोषण हुआ। करने वाले इन्हीं के साथी थे। वह फरार होकर जर्मनी चले गए। इससे पहले महिला पहलवानों का शोषण हुआ। मणिपुर मामले तक पर प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं अब तक। बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाले पीएम मोदी दो दिन पहले वैसे लोगों का चुनाव प्रचार कर रहे थे। यह तो बलत्कारियों को बचाओ और बलात्कारियों को भगाओ वाला नारा हो गया। वो लोग इसी राह पर हैं। क्यों नहीं पीएम इन लोगों पर कार्रवाई कर रहे हैं?

कांग्रेस राम और शिव को लड़ा रही : चिराग

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस से राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भगवान शिव को लेकर दिए गए आपत्तिजन बयान के सवाल पर चिराग ने कहा कि यह लोग राजनीति में धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बाद हमलोगों पर आरोप लगाते हैं। अगर यह लोग भगवानों में ही लड़ाई लगा रहे हैं तो सोचिए इंसानों को किस तरह बांटने का काम करेंगे। हकीकत यह है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं बचा। इसलिए यह लोग ऐसा बयान दे रहे हैं। आज एनडीए ने अपनी बातों को पूरा किया तब उन्हें भगवान शिव याद आते हैं। उस वक्त उनको भगवान शिव नहीं आते जब उनकी माता शक्ति के विनाश की बात कांग्रेस पार्टी के नेता करते हैं। हकीकत यह है कि चुनाव के वक्त भावनाओं को आहत करने के कांग्रेस वाले इस तरह का बयान दे रहे। वहीं विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी द्वारा पीएम मोदी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर चिराग पासवान ने कहा कि इससे ज्यादा धृणित, अशोभनीय, निदंनीय और गलत चीज कुछ भी नहीं हो सकती है। भाषा की सारी मर्यादा को तार-तार कर दी गई।

प्रज्वल रेवन्ना को एसआईटी से नहीं मिली राहत

» कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामला : 7 दिनों का समय देने से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। सेक्स स्कैंडल मामले में फंसे प्रज्वल रेवन्ना को एसआईटी से राहत मिलती नहीं मिली है। एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ अश्लील वीडियो मामले की जांच कर रही है। एसआइटी ने उनको 7 दिनों का समय देने से इनकार कर दिया है। जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना इन दिनों विदेश में हैं।

उन्होंने एसआईटी के सामने पेश होने के लिए सात दिनों का समय मांगा था, लेकिन जांच एजेंसी ने उनको समय देने से इनकार कर दिया है। पहले खबर थी कि प्रज्वल शुक्रवार को विदेश से वापस लौट सकते हैं। वापस लौटते ही एसआईटी उनको हिरासत में ले लेगी। लेकिन अब प्रज्वल ने पेशी के लिए सात दिनों का समय मांगा, जिससे जांच एजेंसी ने इनकार कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पहले खबर थी कि प्रज्वल रेवन्ना ने फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) से बेंगलुरु के लिए टिकट बुक किया है। वह 3 मई की देर शाम केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वह 4 मई को एसआईटी अधिकारियों के सामने पेश होने की योजना बना रहे हैं। इस दौरान उन्हें एयरपोर्ट से हिरासत में लिए जाने की संभावना जताई गई थी। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत एसआईटी के सामने पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है और उन्हें 24 घंटे के भीतर अधिकारियों के सामने पेश होना होगा।

प्रज्वल को ऐसे गिरफ्तार नहीं कर सकते : परमेश्वर

एक दिन पहले कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मामले में सिद्दारमैया सरकार की निष्क्रियता के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि ऐसे ही गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, सबूत, शिकायत की सामग्री, जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, क्या उसके आधार पर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रावधान है, क्या यह एक जमानती अपराध है, जैसे फैक्टरों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिद्धार्थनगर। महराजगंज जिले के बृजमनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

फरेंदा क्षेत्र के उपजिलाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि बृजमनगंज के करमहा गांव में एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से यहां श्रमिक के तौर पर काम करने वाली दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। साथ ही दो अन्य लोग घायल हो गये। सभी मृतक झारखंड के निवासी थे। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को इलाज के लिए सिद्धार्थनगर के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। मौके पर राहत कार्य जारी है। स्थानीय प्रशासन ने अभी तक मृतकों और घायलों के नाम तथा उम्र की जानकारी नहीं दी है।

गोल्डी बराड़ नहीं हुआ गोलीबारी का शिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो पुलिस विभाग ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि गोलीबारी की घटना में हमला करने वाले दो व्यक्तियों में से एक कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था, जो गोलीबारी का शिकार हो गया।

लेफ्टिनेंट विलियम जे. डूले ने एक सवाल का जवाब देते हुए एक ईमेल बयान में कहा, यदि आप ऑनलाइन चैट के कारण यह दावा कर रहे हैं कि गोल्डी बराड़ गोलीबारी का शिकार हुआ है, तो हम पुष्टि कर सकते हैं कि यह बिल्कुल सच नहीं है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन समाचार एजेंसियों पर फैलाई जा रही गलत सूचना के कारण हमें आज सुबह से दुनिया भर से पूछताछ की कॉल आ रही है, हमें यकीन नहीं है कि यह अफवाह किसने फैलाई, लेकिन इसने तूल पकड़ लिया और बात जंगल की आग की तरह फैल गई, लेकिन यह सच नहीं है, पुलिस ने अभी तक उन दो व्यक्तियों की पहचान नहीं की है, जिन पर हमला किया गया था, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई, दूसरे व्यक्ति को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पुलिस ने पहले कहा था कि मंगलवार शाम को लड़ाई के बाद फ्रेस्नो के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में उन दोनों पर हमला किया गया था। दोनों में से छोटे, जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है, को ऊपरी शरीर में गोली मारी गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

भाजपा सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया : उद्धव

» कहा- मैं प्रधानमंत्री के लिए वोट मांगने के लिए लोगों से माफी मांगता हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है और उन्होंने पहले के चुनावों में प्रधानमंत्री के लिए वोट मांगने के लिए लोगों से माफी मांगी। उद्धव ठाकरे और उनके महा विकास अघाड़ी सहयोगी और राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार ने हातकणंगले निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार सत्यजीत पाटिल के समर्थन में पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक रैली में बात की।

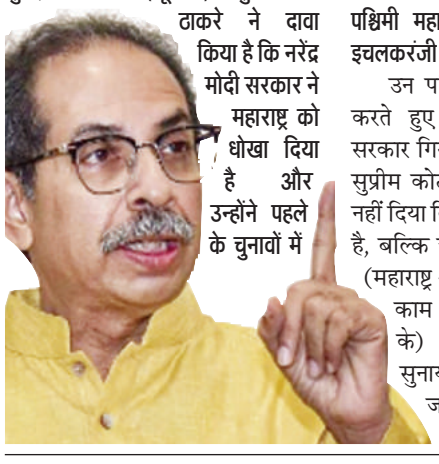

उन परिस्थितियों के बारे में बात करते हुए जिनमें 2019 में उनकी सरकार गिर गई, श्री ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला इस पर नहीं दिया कि असली शिवसेना किसकी है, बल्कि चुनाव आयोग और मध्यस्थ (महाराष्ट्र अध्यक्ष राहुल नारवेकर) जो काम कर रहे थे उनके (भाजपा के) सेवकों ने अपना फैसला सुनाया। उद्धव ने कहा कि अब जब पीएम मोदी हमें नकली शिवसेना कहते हैं, तो वह अदालत पर दबाव डाल रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे के दौरान राज्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बोलने के बजाय केवल उनकी (पवार) और उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हैं। जून 2022 में अपनी सरकार गंवाने का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि जब कोई भी भाजपा से हाथ मिलाने को तैयार नहीं था, तब शिवसेना ने उसके साथ गठबंधन किया। हालाँकि, भगवा पार्टी ने एक ऐसे व्यक्ति की सरकार को गिरा दिया, जिसके परिवार ने उसे सब कुछ दिया था सेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि मैं (अतीत में) नरेंद्र मोदी के लिए वोट मांगने के लिए माफी मांगता हूं क्योंकि उनकी सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है।

डी.के. शिवकुमार को बदनाम करने के लिए आपत्तिजनक तस्वीर की गई अपलोड

बेंगलुरू। सोशल मीडिया मंच पर कथित तौर पर एक आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट करके इसे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की तस्वीर के रूप दिखाने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य हरीश नागराजू द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत 30 अप्रैल को यहां हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।